

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

तं. 155] मई विल्ली, मंगलबार, मार्च 12, 1891/फाल्गुन 21, 1812

No. 155] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 12, 1991/PHALGUNA 21, 1912

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ मंख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कामिक, लोक जिकायत और पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक भौर प्रशिक्षण विभाग) अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1991

का. था. 172 (श).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय सिक्षिण सेवाएं (श्रिष्टि कर्मचारिकृन्द पुनराभिनियोजम) नियम, 1990 के नियम 6 के उप नियम (1) के खंड (ख) हारा प्रदत्त गर्भितयों का प्रयोग करते हुए, उक्त नियमों के ध्रप्तीन पुनर्समायोजन चाहने वाले पात्र मामलों के ध्रीर वर्गों को विनिद्धिट करने के लिए निम्नलिखित शादेश करती है, श्रर्थात् :---

- संक्षिप्त नाम भौर प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनराभिनियोजित अक्षिणिष्ट कर्मवारियों का पुन-संमायोजन) धादेश, 1991 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से एक मास की समाध्ति पर प्रवृक्त होंगे।
- 2. पुनर्ममायोजन के पान्न ग्रधिशिष्ट कर्मचारियों के मामने :--- श्रिक्षिण्ट कर्मचारी, नीचे विनिधिष्ट मामलीं में भी पुनर्ममायोजन के पान्न होंगे :---

(1) जहां किसीं कर्मचारी की पुनराधिनियोजन पर नया पव ग्रहण करने की सारीख को किसी पूर्ववर्मी तारीख से भूतलकी रूप से श्रक्षिणेष प्रकोष्ठ की सार्फेस पुनराधिनियोजन से पूर्व उसके द्वाराधारित पद से मंबंधित वेतनमान से उच्छतर वेसनमान में, चाहे उसके पद के वेतनमान के पुनरीक्षण के कारण या श्रीक्रसि वेने के कारण, रख विया गया है:

परस्तु यह कि,---

- (क) वह ऊपर निर्दिष्ट उच्चतर वेतनमान के समान (या उससे उच्चतर) वेतनमान वाला कोई पद पहले से धारण नहीं किए हुए हैं; भीर
- (ख) केन्द्रीय मिश्विल सेवा छौर पवीं पर श्रिष्ठिशिष्ट कर्मवारियों का पुनराभिनियोजन (धनुपूरक) नियम 1989 के नियम 6 के उप नियम (1) के खंड (क) के धर्षान उसका विकल्प फाइल करने पर ऊपर निविद्ध उच्वतर वेसनमान के समान वेसनमान काले किसी पद पर पुनर्समायोजन की कार्रगा पहले नहीं की गई है।

1				
				•
			1	